>

Title: Regarding alleged misbehaving with a Member of Parliament in the Parliament House precincts.

MR. DEPUTY-SPEAKER: Shri Dara Singh Chauhan.

...(Interruptions)

श्री दारा सिंह चौहान (घोसी): माननीय उपाध्यक्ष महोदय, पूधानमंत्री की सुरक्षा के नाम पर जिस तरीके से उनके सुरक्षा अधिकारियों द्वारा यहां के सांसदों के साथ गुंडागर्दी की जा रही हैं, उन्हें अपमानित किया जा रहा हैं, यह हाउस का अपमान हैं, माननीय सांसदों का अपमान हैं। पूधानमंत्री को माफी मांगना चाहिए। उस अधिकारी को सस्पेंड करके हाउस को बताया जाना चाहिए। पूधानमंत्री की सुरक्षा के नाम पर आए दिन सांसदों को अपमानित किया जा रहा हैं। अगर यहां का सांसद हाउस में सुरक्षित नहीं हैं तो कहां सुरक्षित रहेगा?...(व्यवधान) यह विशेषाधिकार का मामला बनता हैं। ...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : श्री रामाशंकर राजभर की शिकायत अभी-अभी मेरे संज्ञान में लाई गई हैं<sub>।</sub> मैं इसे माननीय अध्यक्ष के संज्ञान में ला ढूंगा ताकि वे उचित कार्यवाही कर सकें<sub>।</sub>

श्री दारा सिंह चौहान द्वारा उठाए गए मामले से

श्री जितेन्द्र सिंह,

श्री के. डी. देशमुख,

श्री गोविन्द प्रसाद मिश्र,

श्री हंसराज गं. अहीर,

श्री वीरेन्द्र कुमार, और

श्री सोहन पोटाई अपने आपको संबद्ध करते हैं।

...(Interruptions)

MR. DEPUTY-SPEAKER: The House stand adjourned to meet again at 2 p.m.

## 12.14 hrs

## The Lok Sabha then adjourned till Fourteen of the Clock.

14.00 hrs

The Lok Sabha re-assembled at Fourteen of the Clock.

(Shri Francisco Cosme Sardinha in the Chair)

…(व्यवधान)

श्री दारा सिंह चौहान : सभापति महोदय, पहले हमारी बात सुन लीजिए।.

सभापति महोदय: श्री दारा सिंह चौहान जी, आप बैठ जाइए।

..(व्यवधान)

## 14.01 hrs.

At this stage Dr. Baliram and some other hon. Members came and stood on the floor near the Table

MR. CHAIRMAN: Nothing will go on record.

(Interruptions) …\*

MR. CHAIRMAN: Hon. Members, behave yourselves. Please take your seat.

...(Interruptions)

MR. CHAIRMAN: The hon. Leader of the House is making the statement.

...(Interruptions)

MR. CHAIRMAN: Hon. Members, the hon. Leader of the House is on his feet.

...(Interruptions)

## 14.02 hrs.

At this stage Dr. Baliram and some other hon. Members went back to their seats.

THE MINISTER OF FINANCE (SHRI PRANAB MUKHERJEE): Mr. Chairman, Sir, Hon. Leader of BSP, Shri Dara Singh Chauhan was expressing his concern about the unfortunate incident. It is not merely the question of one individual Member of Parliament, but if the Members of Parliament within the Parliament precincts are humiliated or insulted, it is not at all desirable. Therefore, I sincerely apologise for the incident which has taken place. On behalf of the Government, I express my regret. Not only I am expressing my regret, on earlier occasions alsoâ&: ...(Interruptions)

श्री दारा सिंह चौहान : जब पूधानमंत्री जी हाउस के अंदर आते हैं, यहां उनकी सुरक्षा के लिए

वाच एंड वार्ड के लोग हैं, सिक्योरिटी गार्ड हैं...(<u>व्यवधान</u>) फिर एनएसजी की क्या जरूरत हैं?...(<u>व्यवधान</u>)

शूर पूजन मुखर्जी: में माजता हुं, आपकी बात सही हैं। Within this premises, everybody is equal; within this Parliament precincts, Members of Parliament are equal. Therefore, there are no two opinions in it. I remember — again, you may say that I am going back to the memory lane of the history - but the fact is that in the first Lok Sabha, one Member was elected from Bengal, who was tried by trial court and was sentenced to death for his agranian revolutionary activities. Police could not arrest him. Somehow or other, he was arrested near Parliament precincts. The then Speaker, Shri Mavalankar took strong exception, wrote to Pandit ji, and Pandit ji not only apologised for that. At this initiative, I am told, that ultimately from the Supreme Court, the Member got released. Not only once, a couple of times he was elected. Even during the fourth Lok Sabha, he was the Member, and I had the privilege of working with him. Then, of course, I was the Member of Rajya Sabha.

The short point which I am trying to drive at is that within the precincts of Parliament, everybody is equal, there is nobody higher; there is nobody lower. Therefore, unfortunately, if something has happened, I am extremely sorry for it. The Prime Minister himself told me to apologise, on his behalf, and on behalf of the Government. As Leader of the House, I have some responsibility. Allow me to discharge that responsibility. Therefore, when I am speaking, I am not speaking individually as Pranab Mukherjee, I am speaking on behalf of the Government. ...(*Interruptions*)

**श्री दारा सिंह चौहान :** ऐसे अधिकारी के खिलाफ कार्यवाही होनी चाहिए।...(<u>व्यवधान</u>) उसे सस्पेंड करना चाहिए।...(<u>व्यवधान</u>)

SHRI PRANAB MUKHERJEE: Therefore, in future so that these things do not happen, some institutional arrangement should be made. I can assure that. Once again, I apologise; let this matter be settled. Thank you, Sir.

…(व्यवधान)

श्री दारा सिंह चौहान : अधिकारी को सरपेंड करना चाहिए। ...(<u>व्यवधान</u>) आज के दिन यह अगर नहीं हुआ तो आए दिन ऐसी घटनायें घटती रहेंगी। ...(<u>व्यवधान</u>)

MR. CHAIRMAN: The Leader of the House has already apologized. Whatever action is envisaged will be taken in future. I request the Members to allow the House to function.

...(Interruptions)

**श्री दारा सिंह चौहान :** आश्वासन कहां दिया है ...(<u>व्यवधान</u>) उसको सस्पेंड करना चाहिए<sub>।</sub> ...(<u>व्यवधान</u>)

श्री **नामा नागेश्वर राव (खम्माम):** फार्मर्स का ईश्यू बहुत इंपोर्टेंट हैं<sub>।</sub> ...(<u>व्यवधान</u>) इस पर चर्चा होनी चाहिए<sub>।</sub> ...(<u>व्यवधान</u>)

MR. CHAIRMAN: Please do not hijack the proceedings of the House.

...(Interruptions)

श्री मुलायम सिंह यादव (मैनपुरी): यह जिसका भी मामला है, बहुत शर्मनाक और अपमानित करने वाली घटना है ...(<u>व्यवधान</u>) जो घटना इनके साथ घटी, उसी तरह से एक घटना प्रे0 रामगोपाल के साथ भी घटी। आप उनके साथ राज्य सभा में रहे हैं, वे आज भी राज्य सभा में हैं। अब सोविये कि यह किस तरह की मानिसकता है? आप इतनी छूट देंगे, तो क्या होगा? क्या यह अच्छा है? पूधानमंत्री के साथ सुरक्षाबलों, विशेषकर एस. पी. जी. को कोई विशेष अधिकार हो, तो बता दीजिये। क्या सांसदों के साथ ऐसा व्यवहार होगा? यह स्थित होगी तो फिर यहां कोई नहीं आयेगा सिर्फ पूधानमंत्री ही रह जायेंगे। ...(<u>व्यवधान</u>)

श्री दारा सिंह चौहान : पूधानमंत्री अंदर होंगे, सूरक्षा गार्ड अंदर होंगे और कोई नहीं होगा। ...(<u>व्यवधान</u>)

भी मुलायम सिंह यादव: फिर हम लोग यहां आकर क्या करेंगे? यहाँ कोई नहीं आयेगा, फिर तो यह सांसदविहीन लोक सभा होगी। कोई भी सांसद यहां न आये, इसका मतलब तो यही निकला। जब सांसद यहां अंदर टेलीफोन कर रहे थे तभी उनको अपमानित किया गया। अभी बीएसपी के सांसद के साथ किया, प्रें**0** रामगोपाल के साथ भी यही किया और सांसद भाहनवाज़ जी के साथ भी किया। ...(<u>व्यवधान</u>) सांसदों के साथ ही ऐसी घटना की जाती है क्यों ?

श्री दारा सिंह चौहान : किसी के भी साथ हो सकता हैं। ...(<u>व्यवधान</u>) कांग्रेस के साथ भी हुआ हैं<sub>।</sub> ...(<u>व्यवधान</u>)

MR. CHAIRMAN: Nothing will go on record.

(Interruptions) …\*

MR. CHAIRMAN: Please do not hijack the proceedings of the House. Please maintain the decorum.

...(Interruptions)

श्री मुलायम सिंह यादव : ऐसा एक ही उदाहरण नहीं हैं, मुझे पता चला है कि कांग्रेस के एक सदस्य के साथ भी ऐसा ही हुआ। अगर इस तरह से पुलिस को, सुरक्षाकर्मियों तथा एस.पी.जी. को छूट दी जाएगी तो सांसदों के साथ ऐसा ही व्यवहार होगा। पुलिस को भी आप वैसी छूट देने जा रहे हैं, ऐसा ये बोलेंगे। लोकपाल बिल का शिक पूभाव आपके हाथ में नहीं हैं, लोकपाल बिल का शिक पूभाव दरोगा के हाथ में जाएगा। आप दरोगा के खिलाफ भी कुछ नहीं कर सकते हैं। एक आदमी के दबाव में क्या इस तरह कर सकते हैं? ये बोलेंगे, तो हम इस पर बोलेंगे और हम इसे नहीं पसंद करेंगे। हर हालत में जितना विरोध कर सकते हैं, हम करेंगे। यह अधिकार दरोगा के हाथ में जाएगा, दरोगा हम लोगों की कोई इज्जत नहीं करेगा और एसपी, डीएम जब चाहेंगे, तो हम लोगों को जेल में भेज देंगे। यह स्थिति हैं। आप गंभीरता से सोविए कि आप किसको अधिकार देने जा रहे हैं? अधिकार आपके साथ रहे, तो मुझे आपित नहीं हैं। आपके साथ रहे, पूधानमंत्री के साथ रहे, चाहे पवार साहब के साथ पॉवर रहे तब मुझे आपित नहीं हैं, लेकिन हर पॉवर आप दरोगा को देने जा रहे हैं, तो पूरे देश का क्या करना चाहते हैं? इस विषय पर गंभीरता से सोविए। ये दरोगा को पॉवर दे रहे हैंं। लोकायुक्त आपके हाथ में नहीं होगा, लोकायुक्त दरोगा के हाथ में होगा। अब जो यह घटना हो गयी हैं, लोकायुक्त और बनाकर देखेंगे कि क्या होगा? ...(ख्वहान)

MR. CHAIRMAN: You made your point.

...(Interruptions)

MR. CHAIRMAN: There is no debate.

श्री नामा नानेश्वर राव : महोदय, एक मिनट टाइम दीजिए। ...(व्यवधान)
MR. CHAIRMAN: Hon. Member, you will get your time.
...(Interruptions)
MR. CHAIRMAN: Nothing will go on record.
(Interruptions) â€; ≛
MR. CHAIRMAN: Nothing will go on record.
(Interruptions) â€;\*
MR. CHAIRMAN: This is not 'zero hour'. Please take your seat.
...(Interruptions)
MR. CHAIRMAN: Please don't try to hijack the proceedings of the House.
...(Interruptions)

THE MINISTER OF AGRICULTURE AND MINISTER OF FOOD PROCESSING INDUSTRIES (SHRI SHARAD PAWAR): Mr. Chairman, Sir, if the hon. Members want to discuss the issue of agrarian crisis and the issue of farmers' suicides, I have no objection to discuss it even tomorrow. Whatever time is allotted in consultation with the Leader of the Opposition, we can discuss it tomorrow.

...(Interruptions)

MR. CHAIRMAN: Please give notice. Please take your seat now.

...(Interruptions)

MR. CHAIRMAN: Please maintain the decorum in the House.

...(Interruptions)

MR. CHAIRMAN: Nothing will go on record.

(Interruptions) …\*

MR. CHAIRMAN: Don't waste your breath. Please sit down.

14.12 hrs.